सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 12 • अंक 103 पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार 19 मई, 2026

मूल्य ₹ 3/-

सबसे बड़ा उपहार जो आप दूसरों को दे सकते हैं वो है बिना शर्त प्रेम और स्वीकृति का उपहार।

-ब्रायन ट्रेसी

प्लेऑफ में पहुंची आरसीबी-गुजरात... 7 | झारखंड में एकबार फिर सियासी... 3 | हताशा और बौखलाहट में अलोकतांत्रिक... 2

सुप्रीम कोर्ट से डॉग लवर्स को बड़ा झटका

सार्वजनिक जगहों से हटेंगे आवारा कुत्ते

डॉग लवर्स की दलीलें खारिज

- अब क्या करेंगे डॉग लवर्स
- पूर्व आदेश में बदलाव की मांग वाली याचिका खारिज
- तमिलनाडु में साल के पहले चार महीनों में करीब दो लाख कुत्तों के काटने के मामले सामने आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज सुप्रीम कोर्ट का एक अहम फैसला आया है जिसमें कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक स्थलों से आवारा कुत्तों को हटाने के अपने पुराने फैसले को बरकरार रखा है। कोर्ट ने उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें डॉग लवर्स की ओर से स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसी सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के पूर्व आदेश में बदलाव की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया है कि कि पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किए जाने के कारण समस्या और गंभीर होती जा रही है। कोर्ट ने चिंता जताते हुए कहा है कि आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और यह अब बेहद गंभीर समस्या बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजस्थान के श्रीगंगानगर शहर में मात्र एक महीने में कुत्तों के काटने के 1,084 मामले दर्ज किए गए। कई छोटे बच्चों के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। तमिलनाडु में साल के पहले चार महीनों में करीब दो लाख कुत्तों के काटने के मामले सामने आए। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट समेत देश के व्यस्त एयरपोर्ट्स पर भी कुत्तों के काटने की घटनाएं हो रही हैं। सूरत में एक जर्मन यात्री को भी कुत्ते ने काट लिया। ऐसी घटनाएं शहरी प्रशासन और गवर्नेंस पर लोगों के विश्वास को प्रभावित कर रही हैं।

आदेश के बाद अभी तक नहीं हुई प्रभावी कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त और 7 नवंबर 2025 को जारी अपने निर्देशों का जिक्र करते हुए कहा कि इन निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकारें और संबंधित अधिकारी इन निर्देशों का पालन नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई, अनुशासनात्मक कार्रवाई और व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। डॉग लवर्स ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि आवारा कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों से हटाने का आदेश बहुत कठोर है और इससे कुत्तों के अधिकारों का हनन हो रहा है। उन्होंने एबीसी कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए जनहित और सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी।

क्या इंसानों की दुनिया में जानवरों के लिए कोई जगह नहीं बची

> "कोर्ट ने चिंता जताते हुए कहा है कि आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और यह अब बेहद गंभीर समस्या बन चुकी है।"

कुत्तों की भूख और जिंदगी का क्या?

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद देशभर में डॉग लवर्स और एनिमल एक्टिविस्ट्स के बीच गहरा गुस्सा और बेचैनी है। जिन सड़कों पर लोग खतरा देख रहे हैं वहीं हजारों लोग उन आवारा कुत्तों में एक बेजुबान, डरा हुआ और भूखा जीव देख रहे हैं। डॉग लवर्स का कहना है कि यह फैसला समस्या का समाधान नहीं बल्कि संवेदनाओं की हार है। उनका आरोप है कि इंसानी सिस्टम अपनी नाकामी छिपाने के लिए अब बेजुबानों को सड़क से हटाने की तैयारी कर रहा है। एनिमल एक्टिविस्ट्स का कहना है कि आवारा कुत्ते अचानक हिंसक नहीं होते। उन्हें भूखा रखा जाता है पीटा जाता है पत्थर मारे जाते हैं गाड़ियों से कुचला जाता है और फिर जब वही कुत्ते डर या आक्रोश में हमला करते हैं, तो पूरा दोष उन्हीं पर डाल दिया जाता है। सवाल उठ रहा है कि क्या इंसानों की क्रूरता पर कभी कोई सुनवाई होगी? डॉग लवर्स का सबसे बड़ा तर्क यह है कि अगर एबीसी यानी एनिमल बर्थ कंट्रोल प्रोग्राम सही तरीके से लागू होता नसबंदी और वैक्सीनेशन समय पर होते तो हालात यहां तक पहुंचते ही नहीं। उनके मुताबिक सरकारों और नगर निगमों की लापरवाही की सजा अब बेजुबान जानवरों को दी जा रही है। वे कह रहे हैं कि हटाना कोई समाधान नहीं है। अगर एक इलाके से कुत्तों को हटाया जाएगा तो दूसरे झुंड वहां आ जाएंगे और समस्या फिर खड़ी हो जाएगी।

कुत्तों के काटने की घटनाओं में हुआ है इजाफा

देशभर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनसे होने वाले हमलों ने पिछले कुछ वर्षों में बड़ी समस्या खड़ी कर दी है। कई राज्यों में बच्चों और बुजुर्गों पर कुत्तों के हमलों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को एबीसी कार्यक्रम को सख्ती से लागू करने और आवारा कुत्तों की आबादी नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए थे।

खाना खिलाकर छोड़ देना क्या यही पशु प्रेम है?

एक तरफ शहरों की गलियों में कटोरों में दूध और बिस्किट लेकर खड़े डॉग लवर्स हैं तो दूसरी तरफ उन्हीं गलियों में डर के साये में जीते बच्चे बुजुर्ग और आम लोग। सवाल सिर्फ इतना नहीं कि आवारा कुत्तों को खाना कौन खिला रहा है सवाल यह है कि क्या सिर्फ खाना खिलाना ही पशु प्रेम है? और अगर उन कुत्तों का झुंड किसी मासूम पर हमला कर दे तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? देशभर में आवारा कुत्तों का संकट अब सिर्फ जानवरों से प्यार की बहस नहीं रहा यह सीधे-सीधे सार्वजनिक सुरक्षा का मुद्दा बन चुका है। कई रिहायशी इलाकों में आरोप लगते रहे हैं कि कुछ डॉग फीडर्स नियमित रूप से एक ही जगह कुत्तों को इकट्ठा करते हैं। धीरे-धीरे वहां झुंड बन जाते हैं जो राह चलते लोगों बाइक सवारों और बच्चों पर हमला करने लगते हैं। लेकिन जब हादसा होता है तब जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं दिखता। लोग पूछ रहे हैं कि अगर आप कुत्तों को खाना खिलाते हैं तो क्या उनकी वैक्सीनेशन नसबंदी और व्यवहार की जिम्मेदारी भी आपकी नहीं होनी चाहिए? क्या सिर्फ सड़क पर खाना डाल देना और फिर पूरे मोहल्ले को खतरे में छोड़ देना ही पशु प्रेम कहलाएगा? लेकिन इस पूरे संकट का सबसे बड़ा चेहरा सिर्फ डॉग फीडर्स नहीं बल्कि फेल सिस्टम भी है। नगर निगमों और प्रशासन ने वर्षों तक एबीसी यानी एनिमल बर्थ कंट्रोल प्रोग्राम को सिर्फ फाइलों में चलाया। नसबंदी के दावे हुए बजट खर्च हुए मीटिंग्स हुईं लेकिन सड़कों पर कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ती गई। न वैक्सीनेशन पूरा हुआ न आबादी कंट्रोल हुई और न ही लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। यही वजह है कि अब सुप्रीम कोर्ट को खुद हस्तक्षेप करना पड़ा।

हताशा और बौखलाहट में अलोकतांत्रिक व्यवहार कर रही भाजपा : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले-जनता सपा सरकार बनाने का कर चुकी है निर्णय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा हताश और बौखलाई हुई है, इसीलिए अलोकतांत्रिक व्यवहार कर रही है। वह जनता का भरोसा खो चुकी है। जनता सपा सरकार बनाने का निर्णय कर चुकी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नकारात्मक प्रचार करती है। सपा को बदनाम करने की साजिश करती है। भाजपा राजनीतिक पार्टी नहीं, गैंग है। निर्दोष लोगों को फंसाती है, पुलिस से परेशान कराती है।

वह सोमवार को पार्टी प्रदेश मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। वहीं एकबार फिर सपा प्रमुख ने कहा कि जब बिजली के स्मार्ट मीटर में हो सकती है गड़बड़ी तो ईवीएम में क्यों नहीं, चुनाव आयोग इसे देखे। विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा का पता नहीं चलेगा।

सनातन विरोधी भी है भाजपा

भाजपा सनातन विरोधी भी है। भाजपा सरकार में शंकराचार्य को अपमानित किया गया। उनके खिलाफ झूठे मुकदमे कराए गए। वहीं कार्यकर्ताओं से कहा कि उनको मर्यादित आचरण करना चाहिए। व्यवहार और भाषा अच्छी होनी चाहिए। धैर्य और अनुशासन के साथ काम करना है। भाजपा से सावधान रहना है।

भाजपा की गलत नीतियों से महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार बढ़ रहा

उन्होंने कहा कि भाजपा सोशल मीडिया का दुरुपयोग करेगी। भाजपा की गलत नीतियों से महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। डीजल, पेट्रोल, गैस महंगा हो गया है। पूरी अर्थव्यवस्था तहस नहस हो चुकी। भाजपा के मंत्री वाहनों की संख्या कम करने को लेकर गुमराह कर रहे है।

भाजपा का कोई विजन नहीं

सपा सरकार में साइकिल ट्रैक बनाया गया था, जिससे साइकिल चलाने को बढ़ावा मिल रहा था। भाजपा सरकार ने उसे भी बर्बाद कर दिया। भाजपा का कोई विजन नहीं है। सपा सरकार में स्मार्ट विलेज बनाए जाएंगे। गांवों का हर तरह से विकास होगा। इस अवसर पर दर्जनों गांवों के प्रधानों ने अखिलेश यादव से भेंट की और सपा सरकार बनाने का संकल्प लिया।

फिर से सक्रिय हुए आकाश आनंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। लंबे समय तक सोशल मीडिया पर सिर्फ बसपा सुप्रीमो मायावती की पोस्ट रीपोस्ट करने वाले आकाश आनंद अब खुद केंद्र सरकार पर आक्रामक टिप्पणियां करते नजर आ रहे हैं। नीट पेपर लीक से लेकर पेट्रोल-डीजल के मुद्दे तक पर उनकी सक्रियता ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अब अटकलें तेज हो गई हैं कि बसपा नेतृत्व एक बार फिर आकाश आनंद को संगठन और चुनावी अभियान में बड़ी जिम्मेदारी दे सकता है। हाल के दिनों में आकाश आनंद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर काफी सक्रिय दिखाई दिए हैं। पहले वह ज्यादातर मायावती की पोस्ट को रीपोस्ट करते थे, लेकिन पिछले सप्ताह उन्होंने केंद्र सरकार को सीधे निशाने पर लिया। नीट पेपर लीक मामले और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर उन्होंने सरकार पर तीखे सवाल उठाए। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को लेकर भी उन्होंने आक्रामक प्रतिक्रिया दी।

वंदे मातरम् कोई विरोध नहीं करते हम बस उसे पढ़ते नहीं हैं : आजमी

» सपा विधायक बोले- हर मुद्दे पर मुसलमानों को घेरा जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी ने कहा कि हम वंदे मातरम् का विरोध नहीं करते, लेकिन धार्मिक चीजें, अल्लाह के अलावा और किसी की वंदना करना मुसलमान को धर्म से मना है, बहुत सारे मुसलमान वंदे मातरम् करते हैं, हम कहां मना करते हैं? लेकिन जो धार्मिक इंसान होगा, वो अल्लाह के अलावा किसी के आगे सिर नहीं झुकाएगा और किसी की वंदना नहीं करेगा।

अबू आजमी ने आगे कहा, असेंबली में वंदे मातरम् होता है, हम कोई विरोध नहीं करते, हम खड़े रहते हैं, लेकिन हम उसको पढ़ते नहीं हैं. हम वंदना सिर्फ अल्लाह की करेंगे। कोलकाता में सड़क पर नमाज़ पढ़ने पर रोक लगाए जाने पर सपा विधायक ने कहा, ऐसा है कि मुस्लिम समुदाय को टारगेट किया जा रहा है, हर मुद्दे पर मुसलमानों को घेरा जा रहा है, पूरी दुनिया में जब मस्जिद भर जाती है तो थोड़ी देर के लिए लोग मजबूर होकर, खुशी से नहीं, जब जगह नहीं हैं तो बाहर नमाज पढ़ लेते हैं. लेकिन पूरे देश में जहां-जहां बीजेपी की सरकार है वहां मस्जिद के बाहर नमाज नहीं पढ़ने दिया जा रहा है, लेकिन इसी देश के अंदर दूसरे धर्म के लोग सड़कों पर बड़े-बड़े कार्यक्रम करते हैं कई-कई दिनों तक सड़कें भरी रहती हैं लेकिन आज तक किसी मुसलमान ने विरोध नहीं किया।

सपा विधायक ने आगे कहा, सड़क पर करते हैं उन धर्म के लोगों को हम ठंडा पानी पिलाते हैं, उनका स्वागत भी करते हैं. लेकिन हमारे साथ जो हो रहा है, जान बूझकर मुसलमानों को टारगेट करके, बहुसंख्यक को ये दिखाना चाहते हैं कि मुसलमानों के साथ जुल्म करेंगे तो हमारा वोट बैंक बढ़ेगा ये हो रहा है और कुछ नहीं है।

कानून सभी पर समान रूप से लागू हो : पठान

उत्तर प्रदेश के सीए योगी आदित्यनाथ के बयान पर भड़की आईएमआईएम

» पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि, एक ही समुदाय को टारगेट करना और उसके खिलाफ नफरत फैलाना सरासर गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सार्वजनिक जगहों और सड़कों पर नमाज पढ़ने पर चेतावनी देते हुए बड़ा बयान दिया है, जिसके बाद इस सियासत गरमा गई है। बकरीद से ठीक पहले सीएम योगी के इस बयान पर अब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के प्रवक्ता वारिस पठान ने प्रतिक्रिया दी है, उन्होंने कहा कि कानून सभी के ऊपर समान रूप से लागू होना चाहिए। एक ही समुदाय को टारगेट करना और उसके खिलाफ नफरत फैलाना सरासर गलत है।

वारिस पठान ने कहा, योगी जी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में पूरी तरह से फेल हो चुके हैं. शपथ संविधान की लिए हैं लेकिन आए दिन अनाप-शनाप बकवास करते रहते हैं. कभी ठोक डालूंगा वाली पॉलिसी की बात करेंगे तो कभी कठमुल्ले वाली बात करेंगे। कितनी अव्यवस्था फैलाएंगे, अभी आपने क्या बयान दिया कि नमाज शिफ्ट में पढ़ें, रास्ते में पढ़ेंगे तो हम दिखाएंगे. आप किस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, आप एक राज्य के मुख्यमंत्री हैं. किसी को रास्ते में, बारिश में, धूप में नमाज पढ़ने का शौक नहीं होता है, एक तो मस्जिद में जगह नहीं होती है, उसके कारण अगर कोई रास्ते में 5 मिनट के लिए नमाज पढ़ लिया तो आपको तकलीफ हो जाती है, हम तो कभी ऑब्जेक्शन नहीं करते हैं. हिंदू भाइयों को हमने कई बार देखा है कि वो ट्रेनों के अंदर, एयरपोर्ट पर भजन कीर्तन, प्रार्थना करते हैं हमलोग तो कभी आपत्ति नहीं करते हैं। नेता ने आगे पूछा, प इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, क्या आप सभी को मार डालेंगे, गोली मार देंगे? क्या करेंगे आप? इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए मैं तो चाहूंगा कि पीएम मोदी जी सुनिए और देखिए कि आपके मुख्यमंत्री क्या अल्फाज इस्तेमाल कर रहे हैं क्या यही है आपका सबका साथ, सबका विकास और विश्वास? मुसलमान अगर रास्ते पर 5 मिनट जुमे की नमाज पढ़ लिया तो किसके पेट में दर्द होने लगा. कायदे कानून का पालन करते हुए किसी की आस्था को ठेस पहुंचाए बिना नमाज पढ़ते किसी को तकलीफ नहीं होती है। उन्होंने कहा, आप नहीं करते हैं क्या? ये कांवड़ यात्रा निकालते हैं तो हम तो कभी आपत्ति नहीं उठाते हैं. संविधान समानता की बात करता है. इस देश में जितना अधिकार सीएम योगी का है, उतना ही अधिकार वारिस पठान का भी है. कानून सभी के ऊपर समान रूप से लागू होना चाहिए. मगर एक ही समुदाय को टारगेट करना और उसके खिलाफ नफरत करना सरासर गलत बात है. इस तरह की धमकी देना एक मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता है, हम चाहेंगे कि पीएम मोदी को इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

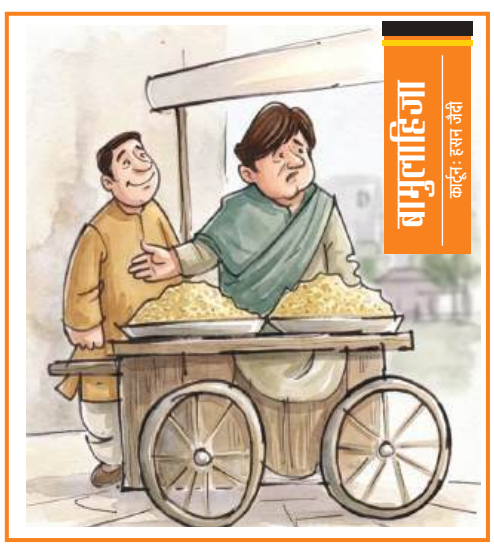

सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही : तेजस्वी

» राजद ने पेपर लीक मामले में मोदी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पेपर लीक मामले में राजद नेता तेजस्वी यादव ने सरकार पर भ्रष्ट व्यक्तियों और अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह एक आवर्ती समस्या है, जिसमें पहले भी किसी वरिष्ठ अधिकारी या भाजपा नेता को जवाबदेह नहीं ठहराया गया, जिससे व्यवस्था की सत्यनिष्ठा पर सवाल उठते हैं।

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को नीट-यूजी 26 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार भ्रष्ट व्यक्तियों और अपराधियों को संरक्षण दे रही है। पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं नई नहीं हैं और बिहार में भी ये पहले कई बार हो चुकी हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि एनडीए सरकार के शासन में भ्रष्ट लोगों को संरक्षण दिया जाता है और अपराधियों को पनाह दी जाती है। यह पहली बार नहीं है जब नीट का पेपर लीक हुआ है। बिहार में भी पेपर लीक की घटनाएं बार-बार हो चुकी हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि ऐसी घटनाओं के संबंध में किसी भी वरिष्ठ अधिकारी या भाजपा नेता को सजा नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि अभी तक न तो किसी वरिष्ठ अधिकारी को और न ही किसी भाजपा नेता को सजा मिली है और न ही उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है। इससे पहले, रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी।

झारखंड में एकबार फिर सियासी हलचल तेज

राज्य सभा चुनाव को लेकर सभी दल सक्रिय

- दो सीटों पर होनी है लड़ाई
- एक सीट झामुमो संस्थापक दिवंगत शिबू सोरेन की
- दूसरी सीट भाजपा नेता दीपक प्रकाश की
- एसआईआर प्रकिया जून से दलों में बढ़ी बेचैनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में एकबार फिर सियासी हलचल तेज हो गई है। पहला राज्यसभा की दो सीटों को लेकर। दूसरा एसआईआर की प्रक्रिया पर। जहां झामूमो इसपर सक्रिय हो गई है। तो वहीं बीजेपी, कांग्रेस समेत कई अन्य दल भी अपनी रणनीति पर काम करने लगे हैं।

जहां रास चुनाव में एक सीट पर झामुमो का दावा लगभग तय माना जा रहा है, जबकि दूसरी सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच रणनीतिक खींचतान जारी है। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों के बाद झारखंड की राजनीति में भी हलचल तेज हो गई है। राज्य में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक रणनीति, दबाव और भावनात्मक समीकरणों का दौर शुरू हो चुका है। झारखंड से राज्यसभा की दो सीटें खाली होने वाली हैं। इनमें एक सीट झामुमो संस्थापक दिवंगत शिबू सोरेन की है, जबकि दूसरी सीट भाजपा नेता दीपक प्रकाश की है।

जून में खाली हो रही दो सीटों के लिए होना है चुनाव

इस साल जून में खाली हो रही झारखंड से दो राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। एक सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के पिछले साल हुए निधन के बाद से रिक्त है तथा दूसरी सीट पर बीजेपी के दीपक प्रकाश का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

कांग्रेस और जेएमएम में खींचतान

कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू ने कहा कि उनकी पार्टी अपने सहयोगी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से इस साल जून में एक राज्यसभा सीट की मांग करेगी, क्योंकि दो सीटों में से एक पर उसका अधिकार बनता है। राजू ने यह भी कहा कि पिछले तीन राज्यसभा चुनावों में राज्य का सत्तारूढ़ गठबंधन सिर्फ एक सीट जीतने की स्थिति में था, इसलिए तीनों बार सीट झामुमो के पास गई, लेकिन इस बार यह गठबंधन दोनों सीट जीतने की स्थिति में है। राजू ने कहा कि इस बार हमारे पास दो सीटों के लिए संख्या बल है, इसलिए हमें एक सीट के लिए अनुरोध करने का अधिकार है। हम जल्द ही (मुख्यमंत्री) हेमंत सोरेन से बात करेंगे और एक सीट के लिए अनुरोध करेंगे।

भाजपा खेल सकती है दांव

राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा तेज है कि भाजपा यदि सीता सोरेन को राज्यसभा उम्मीदवार बनाती है तो यह चुनाव केवल राजनीतिक नहीं बल्कि पारिवारिक और भावनात्मक संघर्ष का रूप ले सकता है। सीता सोरेन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बड़ी भाभी और दिवंगत दुर्गा सोरेन की पत्नी हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या हेमंत सोरेन अपनी भाभी के खिलाफ मतदान करवाएंगे या फिर कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

जून से वोटर लिस्ट एसआईआर प्रक्रिया का शुभारंभ

झारखंड में निर्वाचन आयोग जल्द ही घर-घर जाकर लगभग 2.64 करोड़ मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करेगा। अधिकारियों ने ये जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर निर्वाचन आयोग के राष्ट्रव्यापी अभियान के तीसरे चरण का हिस्सा है, जिसमें 16 राज्य और तीन केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। 30 जून से निर्वाचन आयोग के बूथ लेवल ऑफिसर हर घर में जाकर वोटरों की पड़ताल करेंगे। यह प्रक्रिया औपचारिक रूप से 30 जून को बूथ-स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर शुरू होगी और अंतिम मतदाता सूची सात अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने कहा कि उन्होंने कवायद के लिए पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी हैं। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, सभी मतदान केंद्रों पर 23 मई को उन मतदाताओं की

सूची प्रकाशित की जाएगी जिनका मिलान आधार वर्ष 2003 की मतदाता सूची में उनके पते से नहीं हुआ है। इस सूची में उनके संबंधित बूथ-स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के नाम और नंबर भी मुद्रित होंगे ताकि मतदाता अपने पुराने पते का मिलान कराने के लिए उनसे संपर्क कर सकें।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दबाव बढ़ा

उधर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दबाव भी पार्टी नेतृत्व पर लगातार बढ़ रहा है। कांग्रेस किसी भी स्थिति में एक राज्यसभा सीट चाहती है, लेकिन झामुमो फिलहाल सीट छोड़ने के मूड में नहीं दिख रहा। बावजूद इसके कांग्रेस खुलकर विरोध की स्थिति में नहीं है, क्योंकि झारखंड उन गिने-चुने राज्यों में शामिल है जहां कांग्रेस अभी सत्ता में भागीदार है। ऐसे में सरकार पर संकट खड़ा करने का जोखिम पार्टी शायद ही उठाए। कुल मिलाकर झारखंड का आगामी राज्यसभा चुनाव केवल संख्या का खेल नहीं, बल्कि रिश्तों, गठबंधन धर्म और राजनीतिक रणनीति की बड़ी परीक्षा बनता दिख रहा है।

आदिवासी क्षेत्रों में संदेश देने की कोशिश होगी

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा का उद्देश्य सिर्फ राज्यसभा सीट जीतना नहीं, बल्कि झामुमो पर भावनात्मक दबाव बनाना भी हो सकता है। यदि झामुमो सीता सोरेन का समर्थन नहीं करता है तो भाजपा आदिवासी क्षेत्रों में यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि झामुमो अपने ही परिवार को सम्मान नहीं दे सका। वहीं अगर नरमी दिखाई जाती है तो कांग्रेस इसे राजनीतिक उपेक्षा और भाजपा से गुप्त समझौता करार दे सकती है।

ये है विधानसभा में संख्या बल

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के पास 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 विधायक हैं। झामुमो के 34 विधायक हैं तो कांग्रेस 16 विधायकों के साथ गठबंधन का दूसरा सबसे बड़ा घटक है। इसके अलावा आरजेडी क 4 और लेफ्ट के पास दो विधायक हैं। वहीं संख्याबल को देखते हुए दोनों सीटों पर इंडिया गठबंधन की दावेदारी बेहद मजबूत मानी जा रही है, लेकिन सीट बंटवारे को लेकर पेच फंस सकता है।

एक सीट पर झामुमो का दावा तय

राजनीतिक समीकरणों को देखें तो एक सीट पर झामुमो का दावा लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि पार्टी किसे उम्मीदवार बनाएगी, इस पर अभी मंथन जारी है। सबसे अधिक चर्चा दूसरी सीट को लेकर है, जहां भाजपा अपनी मजबूत रणनीति के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में है। इसी बीच कांग्रेस भी गठबंधन धर्म के तहत राज्यसभा में हिस्सेदारी चाहती है।

बीएलओ चेक करेंगे झारखंड में वोटर लिस्ट

उन्होंने कहा कि झारखंड में 2,64,89,777 मतदाताओं के विवरण का सत्यापन बीएलओ द्वारा किया जाएगा, जो प्रत्येक मतदाता के निवास पर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए इस प्रक्रिया में सहयोग करेंगे।

महिला आरक्षण पर हेमंत सोरेन से विशेष सत्र बुलाने की मांग

झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। भाजपा नेताओं ने कहा है कि महिला आरक्षण से जुड़े इस महत्वपूर्ण विधेयक को लेकर राज्य सरकार को विशेष पहल करनी चाहिए। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में भाजपा नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल पेश किया था। उनका आरोप है कि विपक्षी दलों के सहयोग की कमी के कारण यह विधेयक संसद से पारित नहीं हो सका। जिसके बाद ये कयास लगाए जा रहे हैं कि राज्य में यह

मामला तूल पकड़ेगा। पत्र में कहा गया है कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता, तो 2029 से देश की आधी आबादी को प्रतिनिधित्व का ऐतिहासिक अवसर मिलता। भाजपा नेताओं के अनुसार, इस बिल के लागू होने पर झारखंड में लोकसभा सीटों की संख्या 14 से बढ़कर 21 हो सकती है, जिनमें 7 सीटों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा। इसी तरह विधानसभा सीटों की संख्या 81 से बढ़कर 121 होने और 41 सीटों पर महिलाओं को प्रतिनिधित्व मिलने की बात भी पत्र में कही गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कब धरातल पर उतरेंगी सरकारी योजनाएं

अभी तो मौसम में गर्मी की तेजी उतनी नहीं है। पर आने वाले हफ्तों में पारा चढ़ेगा और लू भी चलेगी। इसका सबसे बड़ा असर उत्तर व पश्चिम भारत पड़ेगा। इन जगहों पर पानी का संकट बढ़ेगा। पानी के संकट से खेती की सिंचाई से लेकर पानी पीने की समस्या बढ़ेगी। भारत के साथ समस्या से है किसी समस्य के समाधान के लिए चर्चा तो बहुत तेजी से की जाती है पर उसपर अमल उतनी ही धीमी होती है जिससे समस्या साल-दर-साल बढ़ती रहती है। जल संरक्षण के लिए कई योजनाएं बनीं जिनमें एक वाटर हार्वेस्टिंग भी थी पर वह योजना अब भी अपने पूरे होने का इंतजार ही कर रही है। सरकारों को गंभीरता से सोचना पड़ेगा वरना आने वाली पीढ़ी पानी के लिए तरस जाएगी। बता दें देश के अनेक हिस्सों में हर वर्ष गर्मी आते ही पेयजल संकट विकराल रूप धारण कर लेता है। कहीं टैंकरों से पानी की सप्लाई हो रही है, तो कहीं ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं कई किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर हैं। भू-जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। नदियां, तालाब तथा कुएं सूखते जा रहे हैं।

ऐसे समय में यदि किसी एक प्रभावी और स्थायी समाधान की सबसे अधिक आवश्यकता है, तो वह है वाटर हार्वेस्टिंग अर्थात वर्षाजल संचयन। विडंबना यह है कि जिस देश में हर वर्ष करोड़ों लीटर वर्षा का पानी धरती पर गिरता है, उसी देश में लोग पीने के पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हम वर्षाजल को सहेजने के बजाय उसे नालों और नदियों के माध्यम से व्यर्थ बहने देते हैं। यदि वर्षा के पानी को वैज्ञानिक तरीके से संरक्षित किया जाए, तो देश में गहराते जल संकट को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है।सरकारों द्वारा वर्षों से वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, विद्यालयों और सार्वजनिक भवनों में वर्षाजल संचयन प्रणाली स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति चिंताजनक है। अधिकांश भवनों में बने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम या तो खराब पड़े हैं या फिर उनका सही उपयोग नहीं हो रहा। कहीं पाइप टूटे हुए हैं, कहीं पाइप जाम हैं, तो कहीं स्टोरेज टैंक इतने छोटे हैं कि उनका कोई वास्तविक लाभ नहीं मिल पाता। कई स्थानों पर सिस्टम केवल दिखावे के लिए बने हुए हैं। यदि गंभीरता से निरीक्षण किया जाए, तो यह स्पष्ट होगा कि लगभग 90 प्रतिशत वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर रहे हैं। इससे करोड़ों लीटर वर्षाजल हर वर्ष व्यर्थ बह जाता है। यह केवल सरकारी भवनों तक सीमित समस्या नहीं है, बल्कि निजी भवनों, होटल, रिसॉर्ट, विवाह स्थल और बड़े आवासीय परिसरों में भी स्थिति कम चिंताजनक नहीं है। कुछ करो सरकार नहीं तो तबाह हो जाओगे।

“ पानी के संकट से खेती की सिंचाई से लेकर पानी पीने की समस्या बढ़ेगी। भारत के साथ समस्या से है किसी समस्य के समाधान के लिए चर्चा तो बहुत तेजी से की जाती है पर उसपर अमल उतनी ही धीमी होती है जिससे समस्या साल-दर-साल बढ़ती रहती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता व जवाबदेही तय हो

डॉ. जगदीप सिंह

हाल ही में नीट परीक्षा के पेपर लीक की घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है। वर्षों से नीट, जेईई, यूपीएससी, एसएससी और विभिन्न राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं में बार-बार होने वाले पेपर लीक युवाओं के भविष्य के साथ निरंतर खिलवाड़ बन गए हैं। छात्र-छात्राएं रात-दिन की मेहनत, परिवार का आर्थिक बलिदान और कोचिंग संस्थानों पर खर्च के बावजूद एक संगठित गिरोह की वजह से अपनी मेहनत को व्यर्थ होते देखते हैं। पिछले पांच वर्षों में 15 राज्यों में 41 प्रमुख परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं, जिनसे करीब 1.4 करोड़ युवा प्रभावित हुए। सात वर्षों की अवधि में यह संख्या 70 से अधिक पहुंच गई है और लगभग 1.7 करोड़ अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रतिभा और मेरिट को कमजोर करने वाली है।

जब चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रशासनिक सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अयोग्य उम्मीदवारों का चयन होता है, तो समाज और देश दोनों को दीर्घकालिक क्षति पहुंचती है। युवा पीढ़ी में निराशा बढ़ती है, कई बार आत्महत्या जैसे कदम भी उठाए जाते हैं। कोचिंग माफिया, भ्रष्ट अधिकारी, प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी और डिजिटल नेटवर्क मिलकर एक शक्तिशाली गिरोह का रूप ले चुके हैं। गरीब छात्र बिना संसाधनों के तैयारी करते हैं, जबकि साधन रखने वाले लीक पेपर खरीदकर सफलता हासिल कर लेते हैं। इससे सामाजिक असमानता बढ़ती है और मेरिट की जगह सिफारिश और पैसा हावी हो जाता है। परिणामस्वरूप सही प्रतिभा को अवसर नहीं मिल पाता। इस समस्या को समाप्त करने के लिए सशक्त और देश में एकसमान कानून की तत्काल जरूरत है। वर्तमान में लागू पब्लिक एग्जामिनेशंस एक्ट में तीन से दस वर्ष की जेल और जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन इसका क्रियान्वयन कमजोर रहा है। नए कानून में परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति-प्रश्न सेटर, प्रिंटर, परिवहनकर्ता और केंद्र अधीक्षक—की कड़ी सुरक्षा जांच, डिजिटल ट्रैकिंग और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पेपर तैयार करने से लेकर वितरण तक ब्लॉकचेन या एआई आधारित एन्क्रिप्शन प्रणाली अपनाई जाए। लीक कराने, खरीदने या मध्यस्थता करने वालों के लिए न्यूनतम दस वर्ष की जेल, संपत्ति जब्ती और आजीवन परीक्षा प्रतिबंध जैसी कठोर सजाएं हों।

सीबीआई या विशेष एजेंसी को स्वत: संज्ञान लेने का अधिकार मिले और फास्ट-ट्रैक अदालतों में मुकदमों का निपटारा सुनिश्चित किया जाए। साथ ही व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर सख्त निगरानी और त्वरित कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। विकसित देशों में पेपर लीक जैसी घटनाएं अत्यंत दुर्लभ हैं क्योंकि उनकी परीक्षा प्रणाली पारदर्शी, तकनीकी रूप से मजबूत और जवाबदेह है। अमेरिका में एसएटी, एसीटी और एमसीएटी जैसी परीक्षाएं स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा आयोजित की जाती हैं। ये ज्यादातर कंप्यूटर आधारित होती हैं, जिसमें प्रश्न रैंडमाइज्ड होते हैं। चीटिंग को गंभीर नैतिक उल्लंघन माना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय से निष्कासन या डिग्री रद्द हो सकती है। बड़े पैमाने के फ्रॉड में आपराधिक मुकदमा चलता है। यूरोपीय देशों जैसे फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन में भी स्थिति बेहतर है। फ्रांस में बैकलॉरिएट परीक्षा में चीटिंग पर तीन वर्ष तक की जेल हो सकती है। ब्रिटेन की कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड जैसी परीक्षाओं में लीक की घटनाएं लगभग नहीं होतीं। जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया में परीक्षा संस्कृति इतनी मजबूत है कि लीक की संभावना ही नहीं रहती। चीन में गाओकाओ परीक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय मानकर चीटिंग पर सात वर्ष तक जेल और अन्य परीक्षाओं पर प्रतिबंध लगाया जाता है। इन देशों में परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, मेटल डिटेक्टर और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग मानक हैं। मुख्य अंतर सिस्टम की मजबूती, भ्रष्टाचार नियंत्रण, तकनीकी उपयोग और सामाजिक मूल्यों में है, जहां मेरिट और कौशल को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है। सुधार के लिए बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। पूरी परीक्षा प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाए, प्रश्न बैंक से रैंडम प्रश्न चुने जाएं और हर छात्र को अलग सेट मिले।

एनटीए जैसी संस्थाओं को स्वायत्त लेकिन सख्त जवाबदेही के दायरे में लाया जाए तथा स्वतंत्र बोर्ड द्वारा नियमित ऑडिट किया जाए। बड़े कोचिंग संस्थानों पर वित्तीय निगरानी और छापेमारी बढ़ाई जाए। स्कूल स्तर से नैतिक शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाएं। भारत एक युवा राष्ट्र है। यदि इन युवाओं का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास टूट गया तो देश की विकास क्षमता प्रभावित होगी। निष्पक्ष परीक्षाएं ही प्रतिभा को सही दिशा दे सकती हैं और कौशल-आधारित समाज का निर्माण कर सकती हैं।

गंभीर जल और पर्यावरणीय संकट की आहट

जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि और वर्षा के स्वरूप में बदलाव से इन ग्लेशियरों की स्थिरता तेजी से कम हो रही है। फलत: पर्वतीय ढलानों पर अचानक बर्फ या बर्फ-मिश्रित चट्टानों के गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे विनाशकारी हिमस्खलन और बाढ़ जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। काठमाण्डू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में हिंदू कुश-हिमालय क्षेत्र में बर्फ के जमीन पर टिके रहने की अवधि सामान्य से 27.8 प्रतिशत कम दर्ज की गई है।

जयसिंह रावत

हिम के घर के रूप में हिमालय में बर्फ की कमी गंभीर चिंता का विषय है। अध्ययनों के अनुसार हिमालय में हिमपात और बर्फ के जमाव की दर में कमी आ रही है, जिससे हैंगिंग ग्लेशियरों और हिमनदी झीलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके कारण केदारनाथ और ऋषिगंगा जैसी भयंकर आपदाओं की आशंका बढ़ रही है। साथ ही सतलुज-झेलम से लेकर ब्रह्मपुत्र तक हिमनदों पर निर्भर नदियों में जलप्रवाह में कमी की आशंका भी बढ़ गई है। इससे पूरे एशिया के मौसम में बदलाव की आशंकाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) की हालिया प्रकाशित वैज्ञानिक रिपोर्ट के आधार पर उत्तराखण्ड के अलकनन्दा बेसिन में बढ़ती हैंगिंग ग्लेशियरों की समस्या का स्वत: संज्ञान लिया। उक्त शोधपत्र के अनुसार उत्तराखंड के अलकनन्दा बेसिन में 219 हैंगिंग ग्लेशियरों की पहचान की गई है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि और वर्षा के स्वरूप में बदलाव से इन ग्लेशियरों की स्थिरता तेजी से कम हो रही है। फलत: पर्वतीय ढलानों पर अचानक बर्फ या बर्फ-मिश्रित चट्टानों के गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे विनाशकारी हिमस्खलन और बाढ़ जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। काठमाण्डू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में हिंदू कुश-हिमालय क्षेत्र में बर्फ के जमीन पर टिके रहने की अवधि सामान्य से 27.8 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। यह पिछले दो दशकों में सबसे न्यूनतम स्तर है और लगातार चौथा वर्ष है जब हिम स्तर सामान्य से नीचे रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियल लेक्स की संख्या में वृद्धि के साथ नदियों के प्रवाह में भारी कमी आ सकती है।

वर्ष 2019 में प्रकाशित इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट में कहा गया था कि यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया, तो इस सदी के अंत तक हिंदू कुश-हिमालय क्षेत्र के एक-तिहाई से अधिक ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं। इसी प्रकार, वर्ष 2021 में प्रकाशित 'विश्व मौसम संगठन' की रिपोर्ट में हिमालयी क्षेत्रों में औसत तापमान वृद्धि को वैश्विक औसत से अधिक बताया गया, जो ग्लेशियरों के तेज पिघलाव का प्रमुख कारण है। हिमालय में बढ़ते खतरों के चलते वर्ष 2021 की 7 फरवरी को चमोली जिले में ऋषिगंगा-धौलीगंगा आपदा हुई थी।

इस घटना में अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार यह आपदा संभवत: एक चट्टान और ग्लेशियर के संयुक्त टूटने से उत्पन्न हुई थी। इसी तरह, वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा में अत्यधिक वर्षा, ग्लेशियर झील के फटने और भूस्खलन के संयुक्त प्रभाव से हजारों लोगों की जान चली गई थी। दरअसल, हिमालयी क्षेत्रों में मानव गतिविधियों का बढ़ता दबाव संकट को और जटिल बना रहा है। पिछले दो दशकों में तीर्थस्थलों, पर्यटन केंद्रों और सीमा क्षेत्रों में सड़कों, भवनों तथा अन्य बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है। वैज्ञानिकों ने पाया कि कई सीमांत क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां ऐसे स्थानों तक पहुंच गई हैं, जो भूस्खलन और हिमस्खलन के दृष्टि से अत्यधिक जोखिम वाले हैं। जब प्राकृतिक अस्थिरता और मानव दबाव एक साथ बढ़ते हैं, तो आपदाओं की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। अध्ययनों में पाया गया कि गंगा बेसिन के कई ग्लेशियर पिछले तीन दशकों में औसतन 10-30 मीटर प्रति वर्ष की दर से पीछे हट रहे हैं। इसके साथ ही ग्लेशियर झीलों की संख्या और आकार में भी वृद्धि हुई है।

इन झीलों के अचानक फटने की घटनाएं विनाश का कारण बन सकती हैं। उत्तराखंड में 2013 के बाद से कई नई झीलों की पहचान की गई है, जिनमें से कई को उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। हिमालयी बर्फ और ग्लेशियर पिघलाव से हिंदू कुश-हिमालय क्षेत्र की नदियों के कुल प्रवाह का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त होता है। यदि बर्फ की मात्रा लगातार घटती रही, तो प्रारंभिक वर्षों में बाढ़ की घटनाएं बढ़ सकती हैं, लेकिन दीर्घकाल में नदियों का जल स्तर घट सकता है, जिससे कृषि, जलविद्युत उत्पादन और पेयजल आपूर्ति पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। हिमालय में घटती बर्फ मानव अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बनती जा रही है। इससे आने वाले वर्षों में हिमालयी क्षेत्र से जुड़े विशाल भूभाग को भी गंभीर जल-पर्यावरणीय संकट का सामना करना पड़ सकता है।

टैनिंग को दूर करेंगे घर में बने ये 5 फेस मास्क

गर्मी का मौसम आते ही तेज धूप त्वचा पर अपना असर दिखाने लगती है। कुछ ही दिनों में चेहरा मुरझाया हुआ और सांवला नजर आने लगता है। इसे सन टैनिंग कहा जाता है। गर्मी में त्वचा की देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है। तपती गर्मी हुई टैनिंग को दूर करने के लिए बाजार में कई तरह के महंगे प्रोडक्ट और ट्रीटमेंट मौजूद हैं लेकिन नेचुरल ग्लो नहीं लाते। हालांकि भारतीय रसोई में ही ऐसे कई प्राकृतिक उपाय मौजूद हैं जो टैनिंग को धीरे-धारे कम कर सकते हैं और त्वचा की प्राकृतिक चमक वापस ला सकते हैं। सही घरेलू उपाय अपनाकर सन टैन को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके साथ ही टैनिंग से बचने के लिए जरूरी टिप्स भी अपनाएं। जैसे, धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाएं। ज्यादा देर तक सीधी धूप से बचें। दिनभर पर्याप्त पानी पीएं और स्किन को नियमित साफ और मॉइस्चराइज रखें।

एलोवेरा और नींबू फेस पैक

एलोवेरा त्वचा को ठंडक देता है और धूप से हुई जलन को कम करता है। इसका फेस पैक लगाने से स्किन को ठंडक मिलती है। टैनिंग कम होती है और यह त्वचा को हाइड्रेट रखता है। दो चम्मच एलोवेरा जेल में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट लगाएं। फिर धो लें।

दही और हल्दी का फेस मास्क

दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की रंगत निखारने में मदद करता है। दही और हल्दी का फेसपैक टैनिंग कम करता है। त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और स्किन को नैचुरल ग्लो देता है। इसे लगाने के लिए दो चम्मच दही में एक चुटकी हल्दी और एक चम्मच शहद मिलाएं और चेहरे पर लगा लें। फिर 15 मिनट बाद धो लें।

खीरा और चंदन का फेस मास्क

खीरा त्वचा को तुरंत ठंडक देता है और चंदन त्वचा को शांत करता है। खीरे और चंदन का फेस पैक बनाने के लिए दो चम्मच खीरे का रस और एक चम्मच चंदन पाउडर को मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पैक को चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। इससे सनबर्न में राहत मिलती है। साथ ही त्वचा को ठंडक मिलती है। यह टैनिंग को कम करने में भी असरदार है।

टमाटर और शहद का फेस मास्क

टमाटर में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं जो टैनिंग कम करने में मदद करते हैं। टमाटर का फेस पैक बनाने के लिए दो चम्मच टमाटर के रस में एक चम्मच शहद मिलाकर चेहरे पर 10-15 मिनट लगाएं। बाद में ठंडे पानी से धो लें। यह पैक सन टैन कम करता है। स्किन को ब्राइट बनाता है। ऑयल कंट्रोल करता है।

बेसन और दूध का फेस पैक

बेसन सदियों से भारतीय सौंदर्य परंपरा का हिस्सा रहा है। यह त्वचा की गंदगी और टैन हटाने में मदद करता है। यह त्वचा को एक्सफोलिएट करता है। डेड स्किन हटाता है और स्किन टोन साफ करता है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच बेसन में दो चम्मच दूध मिलाएं और एक चुटकी हल्दी डालकर पेस्ट बना लें। अब साफ चेहरे पर इसे 15 मिनट के लिए लगाकर रखें। इसके बाद हल्के गुनगुने पानी से धो लें। तीनों ही बहुत सामग्रियां हम सभी के किचन का एक अहम हिस्सा हैं। साथ ही तीनों में ही त्वचा के लिए जरूरी कई पोषक तत्व और औषधीय गुण मौजूद होते हैं।

हंसना मना है

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है, मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

टीचर: इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू: बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर: पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू: इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो.!

पिता: पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है। बेटा: हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे। पिता: कौन सी बुक पढ़ने लगा है तू? बेटा: फेसबुक।

पति व्हिस्की का एक ग्लास बनाता है और पत्नी से कहता है- लो पिओ इसे पत्नी व्हिस्की चखती है, फिर कहती हैं.. छी-छी, कितनी कड़वी है, पति: और तू सोचती है कि मैं रोज अय्याशी करता हूं.. ज़हर के घूंट पीता हूं जहर के?

कहानी — पाप का गुरु कौन?

एक पंडित जी कई वर्षों तक काशी में शास्त्रों का अध्ययन करने के बाद अपने गांव लौटे। गांव के एक किसान ने उनसे पूछा, पंडित जी आप हमें यह बताइए कि पाप का गुरु कौन है? प्रश्न सुन कर पंडित जी चकरा गए, क्योंकि भौतिक व आध्यात्मिक गुरु तो होते हैं, लेकिन पाप का भी गुरु होता है, यह उनकी समझ और अध्ययन के बाहर था। पंडित जी को लगा कि उनका अध्ययन अभी अधूरा है, इसलिए वे फिर काशी लौटे। फिर अनेक गुरुओं से मिले। एक दिन उनकी मुलाकात एक वेश्या से हो गई। उसने पंडित जी से उनकी परेशानी का कारण पूछा, तो उन्होंने अपनी समस्या बता दी। वेश्या बोली, पंडित जी..! इसका उत्तर है तो बहुत ही आसान, लेकिन इसके लिए कुछ दिन आपको मेरे पड़ोस में रहना होगा। पंडित जी के हां कहने पर उसने अपने पास ही उनके रहने की अलग से व्यवस्था कर दी। पंडित जी किसी के हाथ का बना खाना नहीं खाते थे, इस प्रकार से कुछ दिन बड़े आराम से बीते, लेकिन सवाल का जवाब अभी नहीं मिला। एक दिन वेश्या बोली, पंडित जी! आपको बहुत तकलीफ होती है खाना बनाने में। यहां देखने वाला तो और कोई है नहीं। आप कहें तो मैं नहा-धोकर आपके लिए कुछ भोजन तैयार कर दिया करूं। आप मुझे यह सेवा का मौका दें, तो मैं दक्षिणा में पांच स्वर्ण मुद्राएं भी प्रतिदिन दूंगी। स्वर्ण मुद्रा का नाम सुन कर पंडित जी को लोभ आ गया। साथ में पका-पकाया भोजन। अर्थात दोनों हाथों में लड्डू। इस लोभ में पंडित जी अपना नियम-व्रत, आचार-विचार धर्म सब कुछ भूल गए। पंडित जी ने हामी भर दी और वेश्या से बोले, ठीक है, तुम्हारी जैसी इच्छा। लेकिन इस बात का विशेष ध्यान रखना कि कोई देखे नहीं तुम्हें मेरी कोठी में आते-जाते हुए। वेश्या ने पकवान बनाकर पंडित जी को परोस दिया। ज्यों ही पंडित जी खाने को तत्पर हुए, वेश्या ने उनके सामने से परोसी हुई थाली खींच ली। इस पर पंडित जी क्रोधित हो गए और बोले, यह क्या मजाक है? वेश्या ने कहा, यह मजाक नहीं है पंडित जी, यह तो आपके प्रश्न का उत्तर है। यहां आने से पहले आप भोजन तो दूर, किसी के हाथ का भी नहीं पीते थे, मगर स्वर्ण मुद्राओं के लोभ में आपने मेरे हाथ का बना खाना भी स्वीकार कर लिया। अत: यह लोभ ही पाप का गुरु है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा।

वृषभ — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन — परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं।

कर्क — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धनहानि संभव है, सावधानी रखें।

सिंह — धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या — व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

तुला — व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक — जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा।

धनु — भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

मकर — विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा।

कुम्भ — किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आय होगी।

मीन — धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

प्रियंका चोपड़ा की कजिन ने किया रवि मोहन का सपोर्ट, कहा-

हमेशा मर्द गलत नहीं होता

साउथ एक्टर रवि मोहन और उनकी अलग रह रही पत्नी आरती के बीच चल रही तलाक की लड़ाई लोगों का ध्यान खींच रही है। हाल ही में रवि मोहन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया था और इसमें उन्होंने कई खुलासे किए थे। रवि ने कहा कि जब तक उनके तलाक की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक वह फिल्मों से दूर रहेंगे। साथ ही उन्होंने अपनी शादी के दौरान झेली गई मुश्किलों के बारे में भी बताया था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की कजिन मीरा चोपड़ा ने रवि मोहन को अपना समर्थन दिया है।

मीरा चोपड़ा ने रवि मोहन की तस्वीरों के साथ उनका एक कोट शेयर किया और लिखा मैं इस आदमी को रवि के नाम से जानती हूं। जब मैं साउथ की फिल्मों में काम करती थी, तब मैं उसे काफी अच्छे से जानती थी। अभी-अभी उसके तलाक के बारे में पढ़ा। मेरी राय यह है कि, हमेशा आदमी ही गलत नहीं होता। मुझे ऐसी बहुत सी औरतें दिख रही हैं जो उन कानूनों का फायदा उठा रही हैं जो औरतों के पक्ष में ज्यादा झुके हुए हैं। आदमी की बात भी सुनी जानी चाहिए। मैं उसे एक बहुत ही प्यारा और सीधा-सादा इंसान मानती हूं। मुझे उम्मीद है कि उसे सच और इंसाफ मिलेगा।

हाल ही में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान रवि मोहन ने शादी के दौरान अपनी मानसिक और भावनात्मक स्थिति के बारे में भी चौंकाने वाले दावे किए। किसी का भी सीधे तौर पर नाम लिए बिना, रवि ने आरोप लगाया कि उन्हें अपने बच्चों से मिलने से रोका जा रहा है। उन्होंने फेमिनिज्म के नाम पर गलत फायदा उठाने की बात कही। रवि की मीडिया से बातचीत के तुरंत बाद, आरती रवि ने इंस्टाग्राम पर एक नोट साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा सोते हुए शेर को कभी नहीं जगाना चाहिए और अगर वह शेरनी हो, तो भगवान ही बचाए। मेरी चुप्पी को कभी भी मेरी कमजोरी न समझा जाए और न ही इसका कोई गलत फायदा उठाया जाए।

आपको बता दें कि रवि और आरती की शादी 2009 में हुई थी। दोनों ने 2024 में तलाक लेने का एलान किया। आरती ने गुजारे भत्ते के लिए रवि मोहन से हर महीने 40 लाख रुपये की मांग की है।

फिल्म 'बेनाम' में लीड रोल निभाएंगे वीर पहाड़िया

वीर पहाड़िया इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। वो पिछले साल फिल्म स्काई फोर्स नें नजर आए थें, जिसमें उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। वहीं अब वीर फिर एक बार धमाल मचाने को तैयार हैं। वीर फिल्म बेनाम के साथ एक नए सिनेमाई सफर के लिए तैयार हैं।

वीर पहाड़िया अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म बेनाम में लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं, इस प्रोजेक्ट को और दिलचस्प बनाते हुए अनुभवी फिल्ममेकर महेश भट्ट फिल्म के प्रेजेंटर के तौर पर जुड़ चुके हैं, जिससे फिल्म को एक मजबूत क्रिएटिव सपोर्ट भी मिला है।

माना जा रहा है कि बेनाम एक रूटेड एक्शन एंटरटेनर है, जिसमें दमदार इमोशंस के साथ हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। इसके अलावा, फिल्म में एक कमर्शियल अपील वाला म्यूजिक एल्बम भी शामिल होने की उम्मीद है। मेकर्स का गोल एक्शन, इमोशन और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाते हुए दर्शकों को एक दमदार सिनेमाई अनुभव देना है।

सूत्रों के मुताबिक, वीर इस फिल्म में पहली बार एक रफ और रग्ड एंटी-हीरो के किरदार में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि ये किरदार एक्टर की अब तक की स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग होगा और माना जा रहा है कि हो सकता है, ये फिल्म वीर के करियर में एक नया मोड़ भी साबित हो।

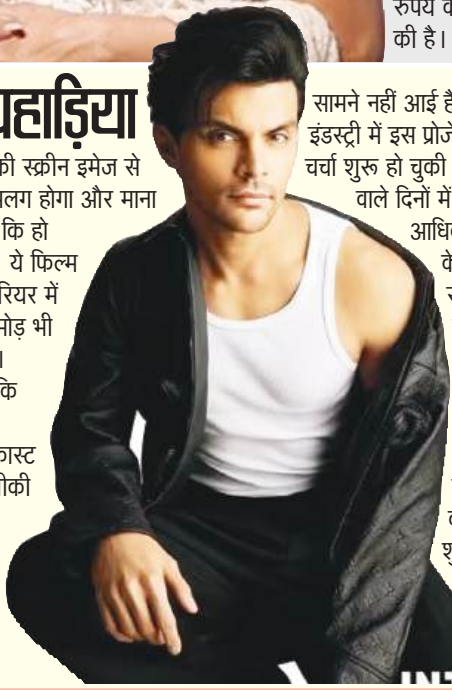

हालांकि फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट और तकनीकी टीम को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। वैसे आने वाले दिनों में मेकर्स आधिकारिक घोषणा के साथ फिल्म से जुड़ी और जानकारी साझा कर सकते हैं।

बता दें वीर पहाड़िया ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म स्काई फोर्स से की थी।

बॉलीवुड | मन की बात

25 साल के करियर में मैंने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं : रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा लंबे समय से अपनी दमदार एक्टिंग और अलग तरह के किरदारों के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने अपने करियर में हमेशा ऐसे रोल चुने, जिनमें कुछ नया करने का मौका मिले। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। दर्शक उनके काम की काफी तारीफ कर रहे हैं। इसी बीच आईएएनएस संग बातचीत में रणदीप ने अपनी जिंदगी, अभिनय, घुड़सवारी और खुद को लगातार बदलते रहने की आदत पर बात की। रणदीप हुड्डा अभिनय के अलावा, घुड़सवारी में भी खास पहचान रखते हैं। वह पेशेवर घुड़सवार रह चुके हैं और कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुके हैं। इसके अलावा, वह सामाजिक मुद्दों पर भी खुलकर अपनी राय रखते हैं। आईएएनएस ने जब रणदीप हुड्डा से पूछा कि अभिनय और घुड़सवारी दोनों में तालमेल कितना जरूरी होता है। उन्होंने कहा, जिंदगी के हर काम में एक लय होती है। जैसे घुड़सवारी में घोड़े की चाल, सांस और शरीर का संतुलन जरूरी होता है, वैसे ही अभिनय में भी डायलॉग्स बोलने, भाव दिखाने और सांस लेने का अपना तरीका होता है। उन्होंने कहा, हर किरदार की अपनी अलग गति और सोच होती है। एक अभिनेता को उसी हिसाब से खुद को ढालना पड़ता है। मैं अभिनय करते समय इन चीजों पर बहुत ज्यादा सोचता नहीं हूं, लेकिन यह सब अपने आप अभिनय का हिस्सा बन जाता है। सही तालमेल किसी भी काम को बेहतर बनाने में मदद करता है। रणदीप हुड्डा ने अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने कई बार खुद अपनी बनी हुई सीमा को तोड़ा है। मैं कभी भी एक जैसे काम में लंबे समय तक नहीं रह पाता। मैंने खुद को बार-बार नए तरीके से आजमाया और अब यह मेरी आदत बन गई। उन्होंने कहा, पिछले करीब 25 सालों के अभिनय करियर में मैंने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। कई बार ऐसा समय भी आया जब मुझे फिर से शुरुआत करनी पड़ी। हर बार मैंने खुद को मजबूत बनाकर वापसी की। इसी बदलाव और संघर्ष ने मेरे अंदर हमेशा आगे बढ़ने की भूख बनाए रखी।

अजीबो-गरीब है यह लड़की, गैलन के गैलन गटक जाती है पेट्रोल, सुबह से रात तक पीती रहती है तेल!

दुनिया में अजीबोगरीब आदतों की कमी नहीं है, लेकिन टीएलसी चैनल के पॉपुलर शो 'माई स्ट्रेंज एडिक्शन' ने एक बार फिर दर्शकों को हैरान कर दिया है। इस शो में दिखाई गई 20 वर्षीय शैनन की कहानी सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण दुनिया में तेल की किल्लत होती जा रही है। ऐसे में आम लोग पेट्रोल पंप पर घंटों लाइन लगाकर गाड़ी में तेल डलवा रहे हैं, वहीं शैनन गैलन-गैलन पेट्रोल पी जाती है। उसकी यह घातक लत ना सिर्फ उसके परिवार को चिंतित कर रही है बल्कि डॉक्टरों को भी हैरान कर रही है। शैनन कनाडा की रहने वाली है। शो के अनुसार उसने करीब एक साल पहले यह आदत शुरू की थी। शुरू में वह पेट्रोल की बोतल या जेरीकैन खोलकर सिर्फ सूंघा करती थी, फिर उसकी उंगलियों पर लगे पेट्रोल को चाटने लगी। धीरे-धीरे यह लत बढ़ती गई और अब वह रोजाना 12 से 15 चम्मच पेट्रोल पी जाती है। महिला पूरे साल में 19 लीटर से ज्यादा पेट्रोल पी जाती है। शैनन बताती है कि पेट्रोल का स्वाद मीठा-खट्टा और जलन वाला होता है। जब वह इसे पीती है तो पहले झुनझुनी सी महसूस होती है, फिर जलन शुरू हो जाती है। फिर भी वह इसे पीने से खुद को रोक नहीं पाती। वह कहती है कि जब वह उदास या अकेला महसूस करती है तो पेट्रोल पीकर राहत पाती है। यह उसकी डिप्रेशन की दवा बन गई है। परिवार वाले इस लत से बेहद परेशान हैं। शैनन की मां और अन्य सदस्य उसे रोकने की कोशिश करते हैं लेकिन वह चोरी-छिपे पेट्रोल पी लेती है। शो में परिवार वालों ने इंटरवेंशन किया और उसे मेडिकल मदद लेने के लिए मनाने की कोशिश की। डॉक्टरों ने चेतावनी दी कि पेट्रोल पीने से उसके फेफड़े, किडनी, लीवर और ब्रेन को स्थायी नुकसान हो सकता है। इससे कैंसर, नर्व डैमेज, दौरे पड़ना और यहां तक कि मौत भी हो सकती है। पेट्रोल में बेंजीन, टोल्यूइन और अन्य केमिकल होते हैं जो शरीर के लिए बेहद जहरीले हैं। नियमित रूप से इसे पीने से मुंह में अल्सर, दांत खराब होना, सांस की बीमारी और आंतरिक अंगों का फेल होना आम है। फिर भी शैनन कहती है कि वह एक दिन भी इसके बिना नहीं रह सकती। शो के एपिसोड में दिखाया गया कि शैनन सुबह उठकर सबसे पहले पेट्रोल की चुस्की लेती है। दिन भर में कई बार वह गैस स्टेशन जाती है या घर में रखे कैन से पी लेती है। रात को सोने से पहले भी वह पेट्रोल पीकर ही सोती है। उसके मुंह से हमेशा पेट्रोल की बदबू आती रहती है।

अजब-गजब | इस पक्षी को कहा जाता है रेगिस्तान की बुलेट ट्रेन

बिना पटरी के रेत में दौड़ता है यह पक्षी बंदूक से निकली गोली से भी तेज है स्पीड!

रेगिस्तान की गर्म रेत पर एक ऐसा पक्षी दौड़ता है जो देखने में बुलेट ट्रेन जैसा लगता है। इसका नाम है रोड रनर। लोग इसे रेगिस्तान की 'बुलेट ट्रेन' कहते हैं क्योंकि यह बिना किसी पटरी के रेत पर आश्चर्यजनक तेजी से भागता है।

चीन और जापान की हाई-स्पीड ट्रेनों ने तो दुनिया को हैरान किया है, लेकिन प्रकृति ने रेगिस्तान में अपना एक अनोखा 'स्पीडस्टर' पैदा किया है। रोड रनर मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका और मैक्सिको के रेगिस्तानी इलाकों में पाया जाता है। यह पक्षी उड़ने की बजाय जमीन पर दौड़ना ज्यादा पसंद करता है। अपनी स्पीड की वजह से इसकी तुलना बुलेट ट्रेन से की जाती है लेकिन ऐसा सच नहीं है।

इस पक्षी की अधिकतम दौड़ने की स्पीड 20-26 मील प्रति घंटा (लगभग 32-42 किलोमीटर प्रति घंटा) तक पहुंच सकती है। यह उड़ने वाले पक्षियों में सबसे तेज दौड़ने वाले पक्षी के रूप में रिकॉर्ड है। छोटे-छोटे फटकनों में यह और भी तेज हो जाता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह बेहतरीन शिकारी भी है। रोड रनर सांपों, छिपकलियों, कीड़ों, छोटे स्तनधारियों और यहां तक कि जहरीले रैटल स्नेक का भी शिकार कर लेता है। यह सांप को चोंच से मारकर या उसे

पीटकर मार डालता है। इसकी तेज स्पीड और चतुराई उसे शिकार पकड़ने में मदद करती है। रोड रनर का शरीर लंबा और पतला होता है, पूंछ लंबी होती है जो संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। इसके पैर मजबूत और तेज दौड़ने के लिए बने हैं। यह उड़ भी सकता है लेकिन जरूरत पड़ने पर ही उड़ता है। ज्यादातर समय यह जमीन पर चलता-दौड़ता रहता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार रोड रनर रेगिस्तान की कठोर परिस्थितियों में जीवित रहने के लिए पूरी तरह अनुकूलित है। यह कम पानी में भी रह सकता है और अपना अधिकांश पानी शिकार से प्राप्त करता है। दिन के समय गर्मी से बचने के लिए यह अपनी गतिविधियां सुबह-शाम करता है। सोशल मीडिया पर इस पक्षी की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। लोग हैरान हैं कि इतनी तेज स्पीड कैसे संभव है? वाइल्डलाइफ प्रेमी इसे 'रेगिस्तान का सुपरहीरो' कह रहे हैं। कई लोग इसे न्यू मैक्सिको का राज्य पक्षी भी बताते हैं। रोड रनर की क्षमताएं ना सिर्फ शिकार के लिए बल्कि शिकारियों से बचने के लिए भी उपयोगी है। जब कोई खतरा महसूस होता है तो यह अपनी तेज रफ्तार से भाग निकलता है। हालांकि यह पूरी तरह उड़ नहीं सकता, लेकिन उसकी दौड़ किसी बुलेट जैसी लगती है।

पंजाब में मतदाता सूची से नहीं होने देंगे छेड़छाड़ : मान

» मुख्यमंत्री ने भाजपा पर किया जमकर प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 18 मई को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस आरोप की आलोचना की कि उसने मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के माध्यम से मतदाता सूचियों में हेरफेर करने का प्रयास किया है। पटना में बोलते हुए, मान ने भाजपा से आग्रह किया कि वह दलबदल और संगठन के विस्तार के बजाय राष्ट्रीय शासन को प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि अन्य दलों से विधायकों को तोड़ने के बजाय, भाजपा को देश पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एसआईआर प्रक्रिया 15 जून से शुरू होगी।

ये लोग फर्जी वोट बनाने के लिए असली वोटों में हेरफेर करते हैं, और हम पंजाब में ऐसा नहीं होने देंगे। ये टिप्पणियां एसआईआर के तीसरे चरण की प्रक्रिया से पहले पंजाब में बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आई हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एसआईआर की घोषणा की है, जिसमें 36 करोड़ से अधिक मतदाता चरणबद्ध तरीके से मतदान करेंगे। पंजाब के लिए ECI के कार्यक्रम के अनुसार, तैयारी का चरण 15 जून से शुरू होगा, जिसके बाद 25 जून से 24 जुलाई तक बूथ स्तरीय अधिकारियों का दौरा होगा। अंतिम मतदाता सूची 1 अक्टूबर, 26 को प्रकाशित की जाएगी।

सोने, पेट्रोल और एलपीजी के वर्तमान भंडार का विवरण सार्वजनिक करे पीएम

इसके अलावा, मान ने केंद्र सरकार से अधिक पारदर्शिता की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय भंडार का विवरण सार्वजनिक करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को सोने, पेट्रोल और एलपीजी के हमारे वर्तमान भंडार का विवरण सार्वजनिक करना चाहिए। यह बयान प्रधानमंत्री मोदी की हालिया अपील के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने, टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने और पश्चिम एशिया संघर्ष से जुड़ी वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने का आग्रह किया है।

हाल ही में पंजाब में कई राजनीतिक दल-बदल की खबरें आई हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान 11 मई को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल सहित अन्य कई सांसद भी आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं।

नीतीश कुमार के बेटे स्वस्थ और युवा हैं : श्रवण कुमार

» स्वास्थ्य पर सवाल उठाने वालों पर जदयू ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जब से नई सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बने हैं तब से उन्हें टारगेट किया जा रहा है, कुछ दिनों पहले ही बिहार में मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ था उन्हें मंत्री बनाया गया था। अब उनके स्वास्थ्य को लेकर हो रही टिप्पणी के बीच इस पर जेडीयू की प्रतिक्रिया आई है। जेडीयू के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, हर आदमी के शरीर की बनावट अलग-अलग होती है कोई आदमी जिम जाकर तीन घंटा पसीना बहाता है, कोई सुबह टहलता है, निशांत कुमार जी न टहलते हैं न जिम करते हैं स्वस्थ हैं, कम चलते भी नहीं हैं।

श्रवण कुमार ने मीडिया से आगे कहा, हमने दो दिन लगातार देखा है जब उनकी (निशांत) यात्रा चल रही थी, जिस तरह वे कार्यकर्ताओं से मिले, उन्होंने कार्यकर्ताओं की बातों को सुना, उमड़ती भीड़ में जाकर लोगों की बात सुनी, इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है... जो लोग तरह-तरह की बात करते हैं उनको नहीं कहनी चाहिए. निशांत कुमार युवा हैं, अच्छी सोच है, ऊर्जा है, ऊर्जा का इस्तेमाल करने दीजिए, आगे सब कुछ वो ठीक-ठाक करेंगे। बता दें कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार सियासत से काफी दूर थे। वो नीतीश कुमार के साथ सार्वजनिक रूप से भी कम ही दिखते थे, हालांकि जब नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने का फैसला लिया तब उनके बेटे की पॉलिटिक्स में एंट्री हुई, इसके बाद ना सिर्फ उन्होंने जेडीयू की सदस्यता ली बल्कि सम्राट चौधरी की सरकार में सीधे स्वास्थ्य मंत्री भी बन गए।

अभी वे न तो विधायक हैं और न ही एमएलसी हैं। स्वास्थ्य जैसा विभाग दिए जाने के बाद से विपक्ष और ट्रोलर निशांत कुमार के फिटनेस पर सवाल उठाने लगे, इसी पर अब जेडीयू ने साफ किया है कि निशांत कुमार स्वस्थ हैं, कहीं कोई दिक्कत नहीं है।

प्लेऑफ में पहुंचीं आरसीबी गुजरात और हैदराबाद

» ईशान किशन के 70 रन की बदौलत चेन्नई को सनराइजर्स ने पांच विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर आईपीएल 2026 के प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। अब आरसीबी, गुजरात टाइटंस और हैदराबाद की टीम प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। वहीं, आखिरी स्थान के लिए मुकाबला अभी जारी है। मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम ने ईशान की शानदार 70 रन की पारी की बदौलत 19 ओवर में पांच विकेट खोकर 181 रन बना लिए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अंक तालिका में आरसीबी (पहले), गुजरात (दूसरे) और हैदराबाद (तीसरे) स्थान पर है। फिलहाल चौथे स्थान पर पंजाब किंग्स है, जिसे अपना आखिरी मुकाबला लखनऊ के खिलाफ खेलना है। हालांकि, टीम ने पिछले छह मुकाबलों में हार दर्ज की है। आखिरी स्थान के लिए पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच जंग जारी है। वहीं, मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स का सफर समाप्त हो चुका है। बता दें लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद ने महज 18 के स्कोर पर ट्रेविस हेड (6) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद अभिषेक शर्मा ने ईशान किशन के साथ 31 गेंदों में 38 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 56 के स्कोर तक पहुंचाया। फिर हेनरिक क्लासेन ने ईशान किशन के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 75 रन जोड़कर टीम को जीत की पटरी पर ला दिया।

धोनी ने चेपॉक में रैना संग लिया लैप ऑफ ऑनर

चेन्नई। चेन्नई के ऐतिहासिक एमए चिदंबरम स्टेडियम में क्रिकेट और भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुकाबले के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने मैदान का लैप ऑफ ऑनर लेकर हजारों प्रशंसकों का अभिवादन किया। इस दौरान उनके साथ चिन्ना थाला सुरेश रैना भी मौजूद रहे। वहीं, साथी भी दर्शक दीर्घा में मौजूद रहीं। यह चेन्नई सुपर किंग्स का इस सीजन में चेपॉक पर आखिरी मुकाबला था, इसलिए मैच खत्म होने के बाद स्टेडियम का माहौल बेहद भावुक हो गया। पीली जर्सी में सजे फैंस लगातार धोनी-धोनी के नारों से पूरे मैदान को गूंजाते रहे। मैच के बाद धोनी ने पूरे मैदान का चक्कर लगाकर दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने टीम के खिलाड़ियों के साथ ग्राउंड पर बैठकर तस्वीरें खिंचवाईं। इसके अलावा ग्राउंड स्टाफ और कैमरामैन के साथ भी खास पल साझा किए। धोनी और रैना को एक साथ मैदान पर देखकर फैंस पुराने सुनहरे दिनों की यादों में खो गए। चेपॉक में मौजूद दर्शकों ने मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाकर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को सम्मान दिया।

रासफिल अकादमी ने मारी बाजी जीता खिताब

» इंटर स्कूल मिनी टेनिस बाल क्रिकेट चैम्पियनशिप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दो दिवसीय इंटर स्कूल मिनी टेनिस बाल क्रिकेट चैम्पियनशिप का आयोजन पूर्व क्रिकेटर अली ज़ैद बहादुर द्वारा बनाए गए एपेक्स टर्फ जानकीपुरम लखनऊ में किया गया। यह टूर्नामेंट लीग कम नॉक आउट बेस पर खेला गया जिसमें फ्लोरेंस नाइटिंगेल, सेंट क्लेयर, रासफिल अकादमी, मोंटफर्ट कॉलेज की टीमों ने अपने अपने पूल को पार करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

फ़ाइनल मुकाबला सेंट क्लेयर व रासफिल अकादमी के बीच खेला गया जिसमें रासफिल अकादमी ने सेंट क्लेयर को दो विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। उपाध्यक्ष श्रीमती रेनू मनचन्दा खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए।

छोटी उम्र के खिलाड़ियों में टेनिस बॉल क्रिकेट को बढ़ावा देने की कोशिश : मुशाहिद खान

टीबीसीएएल के महासचिव मुशाहिद खान ने बताया कि इस टूर्नामेंट को टर्फ पर कराने का मुख्य उद्देश्य जनपद में छोटी उम्र के खिलाड़ियों में टेनिस बॉल क्रिकेट को बढ़ावा देना है और इसमें खेलने पर बच्चों को चोट लगने की संभावनाएं भी बहुत कम होती है जिससे सभी खिलाड़ी उत्साह पूर्वक खेलते हैं।

अपने समर्थकों को मर्यादा में रखें तेजस्वी : संतोष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की समधन विधायक ज्योति देवी के काफिले पर गया में हुए हमले के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री मांझी के बाद उनके बेटे और बिहार सरकार में मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने भी तेजस्वी यादव को सीधे चेतावनी दी है।

डॉ. संतोष एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि तेजस्वी जी, अपने समर्थकों को मर्यादा में रखिए। बिहार बदल चुका है। अब दलित समाज डरने वाला नहीं, अपने सम्मान की रक्षा करना जानता है। उन्होंने कहा कि अगर जीतन राम मांझी के किसी कार्यकर्ता को डराने-धमकाने की कोशिश की गई तो लोकतांत्रिक तरीके से उसी भाषा में जवाब दिया जाएगा।

स्मृति उपवन की हरियाली विकास की भेंट चढ़ी

» सैकड़ों हरे पेड़ों की अब भी कटाई जारी, संरक्षित पीपल की जड़ों तक पहुंचा नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एलडीए कानपुर रोड योजना के अंतर्गत आने वाले स्मृति उपवन पार्क में विकास कार्यों के नाम पर पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पार्क परिसर में सैकड़ों हरे-भरे पेड़ों को निर्ममता से काट दिया गया, जिनकी उम्र करीब 15 से 20 वर्ष बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार काटे गए कई पेड़ों का डायमीटर तीन फीट यानी लगभग 90 सेंटीमीटर से अधिक था। इतना ही नहीं, पार्क क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। लोगों का कहना है कि मिट्टी हटाने के कारण संरक्षित पीपल के पेड़ों की जड़ों को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिससे बरसात के दौरान बड़े पेड़ों के गिरने का खतरा बढ़ गया है।

स्थानीय लोगो ने इसे पर्यावरण और जनसुरक्षा दोनों के लिए बड़ा खतरा बताया है।आरोप है कि कार्यदाई संस्था लखनऊ विकास प्राधिकरण ने बिना उचित अनुमति और पर्यावरणीय मानकों की जांच के पेड़ों की कटाई कराई। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों और पर्यावरण प्रेमियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है।

स्थानीय लोगों ने जताई नाराजगी

स्थानीय लोगो का कहना है कि एक ओर सरकार पूरे प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाकर वृक्षारोपण का संदेश दे रही है, वहीं दूसरी ओर राजधानी के बड़े पार्कों में वर्षों पुराने पेड़ों को काटा जाना सरकारी दावों पर सवाल खड़े करता है। लोगों ने मांग की है कि स्मृति उपवन पार्क में हुए पेड़ कटान, मिट्टी खनन और पर्यावरणीय नुकसान की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नीतीश को उनके ही करीबियों ने जिंदा दफन किया : आनंद मोहन

» पूर्व सांसद ने जदयू के काम करने के तरीकों पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व सांसद आनंद मोहन ने जनता दल (यूनाइटेड) के कामकाज पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि पार्टी अपने वैचारिक आधार से भटक गई है और अब धन और प्रभाव के वर्चस्व में है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए आनंद मोहन ने कहा कि मुख्यमंत्री के लिए उनके परिवार से बढ़कर किसी ने बलिदान नहीं दिया है। उन्होंने नीतीश कुमार के इशारे पर मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने की बात याद दिलाई, लेकिन आरोप लगाया कि इतनी वफादारी के बावजूद अब उन्हें दरकिनार कर दिया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि नीतीश कुमार ने जेडीयू के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन पार्टी में उनकी उपस्थिति काफी कम हो गई है। उन्होंने दावा किया कि आज नीतीश कुमार को राजनीतिक रूप से पूरी तरह से दफना दिया गया है। उनका चेहरा कहीं नजर नहीं आता—यहां तक कि जब वे 85 विधायकों के साथ शपथ ग्रहण समारोह में मंच पर मौजूद थे, तब भी उनकी तस्वीर गायब थी। पार्टी के नेतृत्व और दृश्यता पर सवाल उठाते हुए आनंद मोहन ने बताया कि पहले के पोस्टरों में नीतीश कुमार के साथ उपमुख्यमंत्रियों की प्रमुख तस्वीरें होती थीं, लेकिन बिहार भर में लगे मौजूदा बैनरों में विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव जैसे प्रमुख नेताओं के नाम नहीं हैं। उन्होंने पूछा कि अगर ये नेता आपका समर्थन करते हैं, तो पोस्टरों से उनके नाम और चेहरे क्यों गायब हैं? उन्होंने स्पष्ट किया कि वे भारतीय जनता पार्टी को दोषी नहीं ठहरा रहे हैं, बल्कि उन्होंने नीतीश कुमार के करीबी लोगों को निशाना बनाया और उनकी भूमिका पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री को अलग-थलग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन सलाहकारों ने नीतीश कुमार को जिंदा दफना दिया है। क्या वे उन्हें सिर्फ सैर और भोजन के लिए ही बाहर ले जाते हैं? वे यह सवाल क्यों नहीं करते कि वे सार्वजनिक संदेशों से क्यों गायब हो गए हैं?

नकदी से लदे लोगों को मंत्री पद देकर पुरस्कृत किया जा रहा

अपने बेटे चेतन आनंद को मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने के मुद्दे पर उन्होंने आरोप लगाया कि जेडीयू में धन-संपन्न राजनीति जड़ पकड़ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आजकल व्यक्ति नहीं, बल्कि पैसा बोलता है। नकदी से लदे लोगों को मंत्री पद देकर पुरस्कृत किया जा रहा है। उन्होंने सरफुद्दीन जैसे नेताओं का जिक्र करते हुए पार्टी के आंतरिक फैसलों की आलोचना की और वफादारों के साथ किए जा रहे व्यवहार पर सवाल उठाए। उनके अनुसार, ऐसी प्रथाएं न केवल जेडीयू को बल्कि व्यापक एनडीए गठबंधन को भी कमजोर कर रही हैं। एक कड़े शब्दों में टिप्पणी करते हुए आनंद मोहन ने नीतीश कुमार के करीबी सहयोगियों को चंडाल चौकड़ी बताया और उन पर पार्टी को भीतर से कमजोर करने का आरोप लगाया।

नीतीश कुमार के बिना, शायद वह अभी भी जेल में होते : निहोरा यादव

हालांकि, अब जदयू ने पलटवार किया है। जेडीयू के प्रवक्ता निहोरा यादव ने कहा कि आनंद मोहन ने खुद

स्वीकार किया है कि वह पार्टी के सदस्य नहीं हैं। हालांकि, यादव ने यह भी कहा कि आनंद मोहन को अपने राजनीतिक सफर में नीतीश कुमार की भूमिका को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यादव ने पार्टी पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें याद रखना चाहिए कि नीतीश कुमार के बिना, शायद वह अभी भी जेल में होते। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के बयानों से जेडीयू को कमजोर करने के प्रयास सफल नहीं होंगे और सुझाव दिया कि आनंद मोहन को अपने परिवार को मिले राजनीतिक अवसरों को स्वीकार करना चाहिए।

10 दिनों में ही लोग विजय सरकार का असली चेहरा पहचानने लगे हैं: उदयनिधि

» द्रमुक नेता ने टीवीके सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु की नई टीवीके सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया है कि वह जल्द ही बेनकाब हो जाएगी, क्योंकि 10 दिनों में ही लोग इसका असली चेहरा पहचानने लगे हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जनसेवा में जुटे रहने और द्रमुक की सत्ता में वापसी का भरोसा रखने का आह्वान किया। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को दावा किया कि तमिलनाडु की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नीत सरकार जल्द ही 'बेनकाब' हो जाएगी।

यहां एक विवाह समारोह में उदयनिधि स्टालिन ने कहा, 'सरकार बने महज 10 दिन हुए हैं और महिलाएं, युवा तथा वर्तमान पीढ़ी (जेन-जेड) इस प्रशासन का असली चेहरा पहचानने लगी है। जैसे-जैसे वक्त बीतेगा, सत्ता में बैठे लोग खुद को और भी उजागर करते जाएंगे। उन्होंने कहा, 'वक्त के साथ और भी सच्चाइयां लोगों के सामने आएंगी।' पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा, इसलिए हम एक बार फिर जनसेवा और जमीनी काम में जुट जाएं। जैसा हमारे नेता एम.के. स्टालिन हमेशा कहते हैं-सत्ता में रहते हुए ही नहीं, विपक्ष में रहकर भी काम करें। केवल अपने मतदाताओं के लिए नहीं, बल्कि उनके लिए भी काम करें जिन्होंने हमें वोट नहीं दिया। द्रमुक की सत्ता में वापसी का भरोसा जताते हुए उदयनिधि ने कहा कि पार्टी केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है। उन्होंने कहा, ''चुनाव में जीत और हार तो लगी रहती है। एक सामाजिक आंदोलन के रूप में द्रमुक हमेशा की तरह जनसेवा में लगी रहेगी और हम भी इस प्रतिबद्धता पर अडिग रहेंगे।'' पार्टी नेता स्टालिन के मार्गदर्शन में सभी से जनकल्याण के काम जारी रखने की अपील करते हुए द्रमुक नेता ने कहा, ''सूरज (द्रमुक का चुनाव चिह्न) कभी डूबता नहीं, फिर सूर्य का उदय होगा और उसकी रोशनी में तमिलनाडु फिर फलेगा-फूलेगा।

केजरीवाल और सिसोदिया को हाईकोर्ट का अवमानना नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चार हफ्तों में मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने शराब नीति मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर चलाए गए एक सुनियोजित सोशल मीडिया अभियान के संबंध में आपराधिक अवमानना की कार्यवाही के तहत अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य को नोटिस जारी किया है।

चार हफ्तों के भीतर जवाब मांगा गया है। सुनवाई 8 अगस्त को तय की गई है। आम आदमी पार्टी के नेताओं पर जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के खिलाफ कथित तौर पर मानहानिकारक और अपमानजनक टिप्पणियां करने का आरोप है। सुनवाई जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंदर डुडेजा की बेंच के पास है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के आदेश दिए थे। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा था कि वे आबकारी नीति मामले के कुछ बरी किए गए आरोपियों द्वारा सोशल मीडिया पर उनके और अदालत के खिलाफ की गई अत्यंत अपमानजनक, मानहानिकारक और घृणित टिप्पणियों पर चुप नहीं रह सकती हैं। न्यायमूर्ति ने स्पष्ट कहा कि मेरे संज्ञान में आया है कि कुछ प्रत्यर्थी मेरे खिलाफ और इस अदालत के खिलाफ बेहद घृणित, अवमाननापूर्ण और मानहानिकारक सामग्री पोस्ट कर रहे हैं। मैं चुप नहीं रह सकती।

`बता दें कि दिल्ली के कथित आबकारी घोटाला मामले में स्वर्ण कांता शर्मा ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की उस अपील पर आगे सुनवाई नहीं करने का फैसला किया था, जिसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों को दी गई राहत को चुनौती दी गई थी। अब न्यायमूर्ति मनोज जैन आबकारी घोटाला मामले में सीबीआई की याचिका पर सुनवाई करेंगे।

पासपोर्ट विवाद में रणदीप सुरजेवाला को समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में कथित पासपोर्ट विवाद को लेकर राजनीतिक माहौल गर्माता जा रहा है। इसी बीच असम पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला को समन जारी किया है। पुलिस ने उन्हें 23 मई को गुवाहाटी स्थित क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में पेश होने के लिए कहा है। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा से जुड़े कथित पासपोर्ट विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है।

23 मई को गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में पेश होने का निर्देश

हालांकि अब तक पुलिस की ओर से मामले के सभी पहलुओं का सार्वजनिक खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन जांच एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से देख रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कथित तौर पर इस मामले में सुरजेवाला का नाम लिया था। इसके बाद जांच एजेंसियों ने मामले की कड़ियों को और गहराई से खंगालना शुरू किया है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि क्या गौरव गोगोई और रणदीप सिंह सुरजेवाला कथित तौर पर इस विवाद से जुड़े बड़े षड्यंत्र की योजना बनाने में शामिल थे। असम पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत अभूतपूर्व आर्थिक तूफान के कगार पर है : राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष ने पीएम नरेन्द्र मोदी पर बोला तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र सरकार की राजकोषीय नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए चेतावनी दी कि भारत अभूतपूर्व आर्थिक तूफान के कगार पर है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री द्वारा किए गए वित्तीय संशोधनों का अंतत: पतन होगा और इसका सबसे अधिक बोझ आम नागरिक पर पड़ेगा।

अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे के दौरान मीडिया और जनता को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मौजूदा आर्थिक ढांचे को चुनिंदा अरबपतियों को श्रमिक वर्ग की कीमत पर लाभ पहुंचाने के लिए व्यवस्थित रूप से हेरफेर किया गया है। गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि जहां बड़े-बड़े कॉरपोरेट जगत के दिग्गज और राजनीतिक नेता अपने महलों में पूरी तरह सुरक्षित बैठे हैं, वहीं इस आसन्न संकट का असली असर उत्तर प्रदेश के युवाओं, किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस बात के लिए भी आलोचना की कि वे आंतरिक ढांचागत संकटों को दूर करने के बजाय लगातार विदेश यात्राएं कर रहे हैं और साथ ही नागरिकों से विदेश यात्राएं कम करने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से मैं यही कह रहा हूं कि मोदी जी ने आर्थिक ढांचे में बदलाव किया है और अब एक आर्थिक तूफान आने वाला है। अंबानी के पक्ष में उन्होंने जो ढांचा खड़ा किया है, वह टिकेगा नहीं; उसका पूरी तरह से ढह जाना तय है। दुख की बात यह है कि इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आने वाला आर्थिक संकट अडानी, अंबानी और मोदी को प्रभावित नहीं करेगा। बल्कि, यह उत्तर प्रदेश के युवाओं, किसानों, मजदूरों और छोटे व्यवसायियों को प्रभावित करेगा। यह संकट शायद कई वर्षों में न देखी गई तीव्रता के साथ आने वाला है; आगे एक बहुत कठिन दौर है। ठोस कदम उठाने के बजाय, नरेंद्र मोदी देश को विदेश यात्रा न करने के लिए कह रहे हैं, जबकि वे स्वयं विश्व भ्रमण पर निकले हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**